नवम्बर 2023 - मनसा सेवा

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	
1.अमृतवेले स्व को परमात्म शक्तियों से फुलचार्ज किया?																															
2. सवेरे से शाम तक स्वमान में स्थित रहे?																															
3. मनसा सेवा से अपने कर्त्तव्य किये?																															
4. कर्म करते डबल लाईट स्थिति रही?																															
5. रात्रि सोने से पूर्व 15 मिनट योग किया?																															

1 से 5 नवम्बर :- मैं निरंतर पवित्रता के सागर में समाई हुई आत्मा हूं।

6 से 10 :- मैं मास्टर पतित-पावन आत्मा सबको पावनता की किरणें दे रही हूं।

11 से 15:- मैं मास्टर पवित्रता का सूर्य संसार को पवित्रता के वायब्रेशन देने वाला हूं।

16 से 20 :- मैं आत्मा पवित्रता का लाइट हाउस-माइट हाउस हूं।

21 से 25 :- मैं परमात्म शक्तियों से संपन्न स्वराज्य अधिकारी आत्मा हूं।

26 से 30 :- मैं बाप समान मास्टर दु:खहर्ता, सुखकर्ता आत्मा हूं।

योग में रहकर यह कर्त्तव्य रोजाना अवश्य करने हैं

1. अमृतवेले स्वयं को सर्वशक्तियों से फुलचार्ज करना है।
2. बाबा से कम्बाइंड होकर स्वयं के विकर्मो को भस्म करना है।
3. संसार की सर्व आत्माओं को पवित्रता की सकाश देनी है।
4. प्रकृति के पांचों तत्वों को पवित्रता की शक्तिशाली किरणें देनी है।
5. चलते-फिरते निरंतर पवित्रता के वायब्रेशन फैलाते रहना है।
6. दु:खी, रोगी, अशान्त आत्माओं को शान्ति के वायब्रेशन देने हैं।

नेचुरल अटेन्शन - जब भी फुर्सत मिले पढ़ाई, योग, मनसा सेवा में स्वयं को व्यस्त रखना है।

1 – जितना हो सके आवश्यकतानुसार ही वाणी में आयें। मौन को बढ़ाते जाना है।

2 – वायुमंडल को शक्तिशाली बनाने में व्यस्त रहना है।

3 – परचिन्तन, परदर्शन, प्रपंच से मुक्त रहना है। 4 – भोजन बहुत योगयुक्त होकर करना है।

5. बार-बार अशरीरी बनने की प्रैक्टिस करते रहना है।